देश-प्रदेश की तरक्की में युवाओं की निर्णायक भूमिका है- भजनलाल

मुख्यमंत्री ने वसंत पंचमी एवं नेताजी की जयन्ती पर सरस्वती वंदन, युवा संवाद व मेगा पीटीएम को संबोधित किया

- इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने जोधपुर, कोटा, भरतपुर, बीकानेर व उदयपुर के छात्र-छात्राओं के अभिभावकों व शिक्षकों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से संवाद किया।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शुक्रवार को बसंत पंचमी एवं नेताजी सुभाष चन्द्र बोस की जयन्ती पर कॉमर्स कॉलेज में आयोजित सरस्वती वंदन, युवा संवाद एवं मेगा पीटीएम को संबोधित किया। इस अवसर पर उनको राजस्थान में 7 नवम्बर 2025 को विद्यालयों में सामूहिक वंदे मातरम गायन के वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड में दर्ज होने पर सर्टिफिकेट भेंट किया गया।

जयपुर, 23 जनवरी। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि युवा शक्ति किसी भी राष्ट्र की सबसे बडी पूंजी होती है। देश-प्रदेश की तरक्की में युवाओं की निर्णायक भूमिका है। युवा देश के वर्तमान भी हैं और भविष्य भी हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार हर कदम पर प्रदेश के विद्यार्थियों और युवाओं के साथ खडी है। मुख्यमंत्री ने राजकीय महाविद्यालयों के विद्यार्थियों के लिए जयपुर में विदेशी भाषा संचार कौशल स्कूल खोलने की घोषणा भी की।

शर्मा शुक्रवार को बसंत पंचमी एवं नेताजी सुभाष चन्द्र बोस की जयन्ती के अवसर पर कॉमर्स कॉलेज में आयोजित सरस्वती वंदन, युवा संवाद एवं मेगा पीटीएम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने बसंत पंचमी की बधाई देते हुए कहा कि प्रदेश में 75 लाख विद्यार्थियों द्वारा सामूहिक सरस्वती वंदना कर शिक्षा की देवी को नमन किया गया है। उन्होंने कहा कि सुभाष चन्द्र बोस ने आजाद हिन्द फौज की स्थापना कर देश की आजादी में योगदान दिया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि एक लाख सरकारी पदों की भर्ती परीक्षा का कैलेण्डर जारी किया गया है। निजी क्षेत्र में करीब ढाई लाख युवाओं को रोजगार मिला है।

उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा ने कहा कि मेगा पीटीएम में मुख्यमंत्री का विद्यार्थियों, अभिभावकों और शिक्षकों से संवाद हम सभी के लिए प्रेरणादायी है।

इससे पहले, मुख्यमंत्री ने पराक्रम दिवस के अवसर पर नेताजी सुभाषचन्द्र बोस को पुष्प अर्पित कर नमन किया।

इस दौरान मुख्यमंत्री ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से राज्यभर में जोधपुर, कोटा, भरतपुर, बीकानेर, उदयपुर के छात्र-छात्राओं, अभिभावकों एवं शिक्षकों से संवाद किया।

इस दौरान सांसद मंजू शर्मा, राव राजेन्द्र सिंह, अतिरिक्त मुख्य सचिव उच्च एवं तकनीकी शिक्षा कुलदीप रांका, शासन सचिव स्कूल शिक्षा कृष्ण कुणाल सहित, शिक्षा विभाग के उच्चाधिकारी तथा बडी संख्या में छात्र-छात्राएं, शिक्षक एवं अभिभावक उपस्थित थे।

'चीन के पास फ्री पास था ...

- मित्तल ने दावोस में पत्रकारों से वार्ता में कहा कि चीन की अर्थव्यवस्था का उभार निर्यात पर आधारित था। यह वह दौर था, जब तीन दशकों तक पश्चिमी देशों ने औद्योगिक आत्मनिर्भरता के बजाय सस्ते सामान को तवज्जो दी, जिसका चीन ने भरपुर फायदा उठाया और अपनी निर्माण क्षमता बढ़ाकर वह अन्तर्राष्ट्रीय सप्लाई चेन का जरूरी हिस्सा बन गया।
- मित्तल ने कहा, पर, भारत को यह सुविधा नहीं मिलेगी, क्योंकि अब विश्व में माहौल सख्त है और व्यापार अब सुरक्षा, राजनीति और परस्पर भरोसे का विषय बन चुका है।
- लेकिन मित्तल काफी आशावादी हैं, उनका कहना है कि फ्री पास नहीं होने का अर्थ यह नहीं है कि अवसरों की कमी है, भारत की सबसे बड़ी ताकत है, जनसंख्यात्मक, आर्थिक व रणनीतिक रूप से इसका आकार।
- मित्तल ने कहा, भारत जीतेगा इसलिए नहीं कि विश्व दयालु है, बल्कि इसलिए कि भारत को बाहर रखना विश्व के लिए कदापि व्यवहारिक नहीं है।

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

को और मजबूत किया जा रहा है। हाईवे, बंदरगाह, हवाई अड्डे, बिजली व्यवस्था और लॉजिस्टिक्स नेटवर्क अभूतपूर्व गति से बढ़ रहे हैं, जिससे उद्योगों की लागत और अड़चनें कम हो रही हैं। उतना ही महत्वपूर्ण है भारत का डिजिटल सार्वजनिक ढांचे में शुरुआती निवेश। आधार, यूपीआई और व्यापक इंडिया स्टैक जैसे प्लेटफॉर्म ने भुगतान, पहचान सत्यापन (आइडेंटिटी वैरिफिकेशन) और सेवाओं की आपूर्ति को बदल दिया है। इससे लेन-देन की लागत घटी है और कंपनियों को तेजी से बढ़ने में मदद मिली है। बढ़ते टैरिफ और रैगुलेटरी रूकावटों वाली दुनिया में यह अंदरूनी कुशलता मजबूती पैदा करती है।

मित्तल ने सुझाव दिया कि सार्वजनिक निवेश ने वैश्विक अनिश्चितता के दौर में स्टेबलाइज़र की भूमिका निभाई है। महामारी के बाद जब कई अर्थव्यवस्थाएं झटकों से जूझ रही थीं, तब भारत ने सरकारी पूँजी खर्च का इस्तेमाल करके निजी निवेश को प्रोत्साहित किया और विकास की गति बनाए रखी। इसी कारण भारत वैश्विक व्यापार की रफ्तार धीमी होने और भू-राजनीतिक तनाव बढ़ने के बावजूद दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ने वाली बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में बना रहा।

मित्तल ने कहा, अमेरिका की व्यापार नीति को लेकर बनी अनिश्चितता, खासकर वॉशिंगटन से बदलते संकेतों के बीच, भारत की संभावनाओं को मूल रूप से नहीं बदलती है। भारत को कड़ी बातचीत और कई बार दंडात्मक टैरिफ का सामना करना पड़ेगा। लेकिन इसका आकार, रणनीतिक महत्व और ग्लोबल सप्लाई चेन के विविधीकरण (डायवर्सिफिकेशन) में इसकी भूमिका इसे नजरअंदाज करना असंभव बना देती है। अंततः संतुलित नतीजे सामने आएंगे, किसी मेहरबानी से नहीं, बल्कि जरूरत के कारण। मित्तल के शब्दों में, भारत इसलिए नहीं जीतेगा कि दुनिया उस पर दयालु है, बल्कि इसलिए जीतेगा, क्योंकि भारत को बाहर रखना व्यावहारिक नहीं है।

दावोस में संदेश साफ था, दुनिया की शीर्ष तीन अर्थव्यवस्थाओं में शामिल होने का भारत का रास्ता औटोमैटिक नहीं है, लेकिन यह पूरी तरह संभव है। इसके लिए मैन्युफैक्चरिंग इन्फ्रास्ट्रक्चर, कौशल और तकनीक में बड़े पैमाने पर लगातार ध्यान देना होगा। साथ ही, भारत को अपनी बातचीत की ताकत पर भरोसा रखना होगा और ज्यादा बंटी हुई, कम उदार वैश्विक व्यवस्था में धैर्य के साथ आगे बढ़ना होगा। चीन का बिना रोक-टोक निर्यात आधारित विस्तार का दौर भले ही खत्म हो गया हो, लेकिन मित्तल का मानना है कि भारत का समय अब शुरू हो रहा है, जो किसी "फ्री पास" से नहीं, बल्कि मेहनत से हासिल की गई ताकत और अपरिहार्य वैश्विक महत्व से आकार लेगा।

'बांग्लादेश ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अगर आम चुनाव ऐसे हालात में होते हैं, जब अवामी लीग को चुनाव में हिस्सा लेने से ही रोक दिया गया है, तो अगली सरकार का कट्टर इस्लामी ताकतों के हाथ में जाना तय है। यह भारत के हितों के खिलाफ होगा और पूरे क्षेत्र की सुरक्षा स्थिति को बदल सकता है।

बांग्लादेश के कट्टरपंथी इस्लामी संगठनों ने भारत के उत्तर-पूर्व को शेष भारत से काट देने की धमकी भी दी है। इसके लिए वे उत्तर बंगाल के सिलागुड़ी क्षेत्र में स्थित उस संकरे गलियारे को बाधित करने की बात कर रहे हैं, जो उत्तर-पूर्व को देश के बाकी हिस्से से जोड़ता है। इसी वजह से बांग्लादेश में हो रहे घटनाक्रम को लेकर गहरी चिंता बनी हुई है। इस क्षेत्र में अमेरिका के साथ-साथ पाकिस्तान और चीन का दखल, पूर्वी भारत और उत्तर-पूर्व की सुरक्षा व स्थिरता के लिए बड़ा खतरा बन सकता है। अमेरिकी नीतियों को लेकर बनी पूरी अनिश्चितता और डॉनल्ड ट्रंप द्वारा भारत पर लगाए गए भारी टैरिफ को देखते हुए, भारत अपने पूर्वी पड़ोस में हो रहे घटनाक्रम और अमेरिका की संभावित दखलअंदाजी को लेकर दोहरी चिंता और सतर्कता की स्थिति में है।

दुष्कर्म ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पीड़िता ने अपने बयान में कहा है कि घटना के समय वह नाबालिग थी और उसने अपने रिश्तेदार की आईडी से होटल में कमरा बुक कराया था। इसके बावजूद पुलिस ने उस रिश्तेदार से कोई पूछताछ नहीं है। याचिकाकर्ता पीड़िता से हमेशा सार्वजनिक जगह पर टीम के अन्य सदस्यों की मौजूदगी में मिला था।

अगले ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

बचाने और लोगों पर निर्भरता कम करने की कोशिश कर रहे हैं। एमेज़ॉन ने दिसंबर में अपने वार्षिक एडब्ल्यूएस क्लाउड कंप्यूटिंग सम्मेलन के दौरान अपने नवीनतम एआई मॉडल का प्रदर्शन किया था। एमेज़ॉन के 1.58 मिलियन कर्मचारी है और 30,000 इसका छोटा सा हिस्सा है, लेकिन ये कंपनी के कॉर्पोरेट कार्यबल का लगभग 10 प्रतिशत है। एमेज़ॉन के अधिकांश कर्मचारी पूर्ति केन्द्रों और गोदामों में काम करते हैं। यह एमेज़ॉन के तीन दशकों के इतिहास में सबसे बडी छंटनी होगी। कंपनी ने 2022 में लगभग 27,000 नौकरियाँ कम की थीं।

आज ....

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

गौरतलब है कि हाईकोर्ट की पूर्ण पीठ की बैठक में गत 12 दिसंबर को निर्णय हुआ था।

हाई कोर्ट ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कुमार के साथ अपनी मुवक्किल, एक विधवा महिला, के लिए राहत मांगते हुए बहस की थी, जिसका बिजली कनेक्शन 1.30 लाख रुपये के बकाया के कारण काट दिया गया था।

सुनवाई के दौरान, तिवारी ने कहा था कि उनकी मुवक्किल 25,000 रुपये जमा करने के लिए तैयार है, ताकि कनेक्शन फिर से जुड़ सके। लेकिन न्यायमूर्ति कुमार ने पूर्व के एक फैसले का हवाला दिया, जिसमें कुल बकाया राशि का 50 प्रतिशत जमा करना आवश्यक था। मामला तब हल हुआ जब तिवारी ने अपनी मुवक्किल के 50,000 रुपये जमा करने पर सहमति जताई। लेकिन तिवारी के केस का समापन होने के बाद यह मुद्दा बढ़ गया। जैसे ही कोर्ट ने अगला मामला लिया, न्यायमूर्ति कुमार ने तिवारी द्वारा अपनी दलीलें प्रस्तुत करने के तरीके पर टिप्पणी की। कोर्ट ने फिर झारखंड राज्य बार काउंसिल के अध्यक्ष से, जो कोर्ट में मौजूद थे, वकील के आचरण का संज्ञान लेने को कहा। इस पर तिवारी खड़े हुए, बेंच की ओर बढ़े और जज की ओर इशारा करते हुए कहा, "मैं अपनी तरीके से बहस कर सकता हूँ, आपके तरीके से नहीं, जैसा आप कहते हैं। कृपया ध्यान रखें। किसी वकील का अपमान करने की कोशिश न करें, मैं आपको बता रहा हूँ।" जज ने जवाब "आप यह नहीं कह सकते कि कोर्ट अन्याय कर रहा है।" वकील ने कहा, "क्या मैंने ऐसा कहा?" और जज से लाइव वीडियो रिकॉर्डिंग देखने को कहा, यह बताते हुए कि वह और कोई वकील था, जिसने यह तर्क दिया था, जिसे न्यायमूर्ति कुमार ने अवमानना माना था।

दिल्ली में ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पर मीडिया में कभी-कभी की गईं आलोचनात्मक टिप्पणियाँ भी शामिल हैं। इन टिप्पणियों के बाद कांग्रेस ने कड़ी प्रतिक्रिया दी, जिसमें थरूर पर भाजपा में जाने की कोशिश करने के आरोप लगाए गए। लेकिन, थरूर ने पार्टी बदलने के इन आरोपों को पूरी तरह से खारिज किया और पिछले साल जून में एनडीटीवी से कहा था कि उन्होंने पार्टी और उसकी विचारधारा के प्रति अपनी निष्ठा 16 साल से बनाए रखी है। उन्होंने कहा था, "प्रधानमंत्री की सराहना भाजपा में शामिल होने का संकेत नहीं है, जैसा कि कुछ लोग दुर्भाग्यवश इशारा कर रहे हैं। यह राष्ट्रीय एकता का बयान है। लेकिन, पार्टी बदलने की बात कभी पूरी तरह से समाप्त नहीं हुई। असल में, थरूर और कांग्रेस के बीच तनाव, जिसका भाजपा अक्सर मुद्दा बनाती है, गुरुवार को भी सामने आया। लोकसभा सांसद थरूर ने भारतीय क्रिकेट टीम के वर्तमान कोच और पूर्व भाजपा सांसद गौतम गंभीर के साथ एक सेल्फी पोस्ट की, जिसमें उन्होंने गंभीर की सराहना की कि वे "भारत में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के बाद दूसरा सबसे कठिन काम संभाल रहे हैं।" भाजपा के शहजाद पूनावाला ने इसका जवाब दिया। उन्होंने गंभीर की कोचिंग और रणनीतियों को लेकर क्रिकेट प्रशंसकों की आलोचना तथा प्रधानमंत्री के राष्ट्रहित के कार्यों की विपक्ष द्वारा आलोचना में समानता को रेखांकित किया।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा राष्ट्रदूत प्रेस, जी1/63 इंडस्ट्रीयल एरिया फेस प्रथम, जालौर, (राज.) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. RAJHIN/2006/17286 जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908